पाठ 8. थोड़ी धरती पाऊँ

कविता का उद्देश्य
प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण-रक्षा तथा पेड़ों को कटने से रोकने के लिए जागरूक करना है। पेड़-पौधों तथा जंगलों का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। इनको नष्ट होने से बचाना हमारा कर्तव्य है।

कविता का सारांश
कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना द्वारा रचित इस कविता में जंगलों के महत्त्व को प्रतिपादित किया है। कवि थोड़ी-सी जमीन चाहते हैं जहाँ वे बाग-बगीचे लगा सकें। लेकिन उन्हें एक इंच भी ज़मीन न मिल सकी क्योंकि पेड़ काटकर बड़ी-बड़ी इमारतें बन गई हैं। कवि पाठक से कहता है कि हो सकता है आपके पास ऐसी ज़मीन हो जिसमें फूल खिले हों, फसलें लहरा रही हों। कवि संसार से यह विनती करता है कि पेड़ों को मत काटो, चिड़ियों को मत रोने दो। कवि के अनुसार बच्चे और पेड़ दुनिया को हरा-भरा रखते हैं। आज सभ्यता वहशी बनकर पेड़ों को काट रही है और सभी को जहरीली हवा के रूप में मौत बाँट रही है।

अध्यापन संकेत
बच्चों से **पठन-पूर्व चर्चा** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछें। कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से एक-एक अंश का वाचन कराएँ। कविता का मूल भाव समझाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। कविता की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें–

लेकिन एक इंच...............अरमानों में हैं। इन पंक्तियों का अर्थ यह है कि कवि को थोड़ी-सी भी ज़मीन नहीं मिल पाई जहाँ वह बगीचा लगा सके। उन्हें एक पेड़ भी नहीं मिला जिसे वे अपना भाई कह सकें। पक्षी कवि के पास आने से डरते हैं। फल दुकानों में हैं और फूल नेताओं के गले में सज गए हैं। कवि के दुख अरमानों में समा गए हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि कवि को एक इंच भी जगह खाली नहीं मिली और ना ही पेड़ दिखाई दिए। चारों ओर इमारतें ही इमारतें हैं।

पेड़ों के संग...............संग हिलना। कवि चाहता है कि मनुष्य को पेड़ों के साथ जीने की आदत डाल लेनी चाहिए। पेड़ों के संग खेलना चाहिए अर्थात् पेड़ों के संग रहकर ही मनुष्य का जीवन सुखमय हो सकता है।

आज सभ्यता...............बाँट रही है। इन पंक्तियों का अर्थ है कि आज सभ्यता इतनी निर्दयी बनी हुई है कि वह पेड़ों को काट रही है। पेड़ों के कटने से वह समाज को जहरीली हवा के रूप में जहर बाँट रही है। कवि के कहने का तात्पर्य है कि आज के युग में पेड़ों के काटने से पर्यावरण में विषैली गैसें बढ़ गई हैं जो हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुँचा रही हैं।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- बच्चों से पूछें, पर्यावरण का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है? इसको स्वच्छ रखने में वे अपना क्या योगदान दे सकते हैं?
- ग्लोबल वार्मिंग से क्या अभिप्राय है?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।